The Economic Times-(Hindi) June 12, 2013

कामकाज बंद करने की तैयारी में ग्लोबल पावर कंपनियां

[रचिता प्रसाद *मुंबई*]

भारत में ग्रोथ की संभावनाएं तलाश रहीं कैश रिच ग्लोबल पावर यूटिलिटी अब मायूस हो गई हैं। इनमें से कई कंपनियां यहां अपना कामकाज बंद करने की भी सोच रही हैं। देश में पावर सेक्टर लंबे समय से मुश्किल में है। इससे ग्लोबल यूटिलिटी कंपनियों की दिलचस्पी सेक्टर में कम हुई है। वहीं, वे रिफॉर्म की सुस्त रफ्तार से भी निराश हैं।

देश में इलेक्ट्रिसिटी डिमांड-सप्लाई असंतुलन और मर्जर-एक्विजिशन के मौकों को देखते हुए करीब आधा दर्जन विदेशी कंपनियां 2-3 साल पहले यहां आई थीं। इनमें जर्मनी की ई.ऑन और फ्रांस की जीडीएफ सुएज जैसी दिग्गज कंपनियां भी शामिल हैं। ई.ऑन ने अपने भारतीय ऑफिस को बंद कर दिया है। वहीं, दूसरी कंपनियां भी अपने ऑफिस बंद करने का प्रोसेस शुरू कर चुकी हैं। कुछ कंपनियां भारतीय प्रोजेक्ट को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल चुकी हैं।

ई.ऑन के पॉलिटिकल अफेयर्स और कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस टीम के हाइक कोजे ने बताया, 'ई.ऑन यहां लॉन्ग टर्म ग्रोथ के मौके के चलते फंडामेंटल तौर पर अपनी दिलचस्पी बनाए रखेगी। आगे चलकर भारतीय पावर सेक्टर से अच्छे ऑफर मिल सकते हैं। हम इस मार्केट को मॉनिटर करते रहेंगे। हम अब अपने मुंबई ऑफिस को आगे नहीं चलाएंगे।' जीडीएफ सुएज ने कहा, 'हमें भारत में पोर्टफोलियो बढ़ाने का मौका नजर आ रहा है।' पावर प्रोजेक्ट में 100 फीसदी एफडीआई को मंजूरी देने के बावजूद भारत में सिर्फ दो विदेशी कंपनियां पावर प्लांट चला रही हैं। इसमें अमेरिका की एईएस और चाइना लाइट एंड पावर (सीएलपी) शामिल हैं। एईएस ने अपना ऑपरेशंस कम कर दिया है।